दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

3.2.1 - Any additional information

amarujala.com

गोरखपुर | बुधवार, 12 अक्तूबर 2022

8

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज परिसर में आयोजित पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं छात्राएं। संवाद

कोरोना महामारी के बाद बढ़े अवसाद के मरीज : शाही

दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में संगोष्ठी का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हो गया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि जिला चिकित्सालय के मनोचिकित्सक अमित शाही ने मानसिक बीमारियों के लक्षण, कारण एवं उपचार पर चर्चा की। कहा कि कोरोना के बाद अवसाद के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है। मनोविज्ञान की पूर्व विभागाध्यक्ष शीला सिंह ने मानसिक रोग से बचाव के उपाय बताए।

अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि जानकारी ही बचाव है। इससे पूर्व संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में डॉ. विनोद कुमार गुप्ता, डॉ. शोएब हसन, डॉ. वेंकटरमन पांडेय ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. तूलिका पांडेय एवं डॉ. अंकिता ने विद्यार्थियों के साथ अंतर क्रियात्मक रूप में समस्याओं का समाधान किया।

संगोष्ठी संयोजक डॉ. विवेक कुमार शाही ने आभार ज्ञापित किया। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता के संबंध में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। करीब 500 विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रदर्शनी, व्याख्यान एवं हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग किया।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित **'B++'** श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

गोरखपुर। बुधवार • 21 दिसम्बर • 2022 राष्ट्रीय सहारा

शोध के विषय का चुनाव करने में बरतें सावधानी : प्रो. कीर्ति पाण्डेय

डीवीएनपीजी के समाजशास्त्र विभाग में कार्यशाला

छात्रों ने शोध से सम्बन्धित समस्याओं का जाना समाधान

गोरखपुर (एसएनबी)। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग में 'रिसर्च-मेथेडोलॉजी' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. कीर्ति पाण्डेय पूर्व विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग दीदउ. ने कहा कि वर्तमान में शोध अत्यधिक अत्यधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है। शोध के विषय का चुनाव करते समय विद्यार्थियों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने समस्या के चुनाव से लेकर सिद्धान्त निर्माण तक शोध के विविध चरणों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया। कार्यशाला के दौरान स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों द्वारा शोध से सम्बन्धित विविध प्रश्न किये गये, जिनका सम्यक उत्तर मुख्य वक्ता के द्वारा दिया गया।

दिग्विजय नाथ पीजी कालेज में आयोजित व्याख्यान में संबोधित करती प्रो. कीर्ति पाण्डेय।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं आभार ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि आज की कार्यशाला में शोध के सभी आयामों को बोधगम्य तरीके से विद्यार्थियों को समझाया गया है जिससे शोध के क्षेत्र में विद्यार्थी बेहतर परिणाम दे सकेंगे। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी एवं स्वागत समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो. अर्चना सिंह ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन विवेकानन्द शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में तमाम शिक्षकों सहित समाजशास्त्र के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित **'B++'** श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
📱 : 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

गोरखपुर। बृहस्पतिवार • 6 अप्रैल • 2023 राष्ट्रीय सहारा

लम्बे शोध प्रस्ताव की प्रस्तुति से बचना चाहिये : प्रो. अनुभूति

डीवीएनपीजी कालेज में शोध परियोजना पर कार्यशाला

गोरखपुर(एसएनबी)। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में शोध प्रकोष्ठ द्वारा शोध परियोजना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला बुधवार को संपन्न हुयी। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. अनुभूति दुबे विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय ने कहा कि लम्बे शोध-प्रस्ताव नहीं प्रस्तुत करने चाहिए। सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा में मुख्य विद्वानों के कार्यों का उल्लेख न करना भी एक गलती है।

उन्होंने शोध प्रस्ताव लिखते समय होने वाली गलतियों के बचाव के सम्बन्ध में बताते हुए कहा कि प्रमुख मुद्दों पर बहुत कम ध्यान देना, व्याकरण सम्बन्धी त्रुटियों एवं साहित्यिक चोरी आदि को समाप्त कर एक बेहतर शोध प्रस्ताव तैयार किया जा सकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि आज के परिवेश में उच्च शिक्षा के शिक्षकों के लिए अध्यापन कार्य के साथ शोध कार्य भी आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागों के शिक्षकों से शोध प्रस्ताव लिखने का आह्वान किया।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत के माध्यम से हुआ। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी डॉ. विवेक कुमार शाही, संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा तथा आभार ज्ञापन प्रो. धीरेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। उक्त कार्यशाला में प्रो. गीता सिंह, प्रो. अर्चना सिंह, प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव, डा. रुक्मिणी चौधरी, डा. सुनील सिंह, डॉ. श्याम सिंह, डॉ.शुभांशु शेखर सिंह सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं अनेक शोध छात्र-छात्राएं ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों में उपस्थित रहे।

डीवीएनडीसी में शोध प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मंचासीन प्रो. अनुभूति दुबे व अन्य तथा सम्बोधित करते प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दैनिक जागरण गोरखपुर, 8 अप्रैल, 2023

रासायनिक की तुलना में अधिक फायदेमंद है हरित संश्लेषण

जासं, गोरखपुरः शारदा विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर व प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो.एनबी सिंह ने कहा कि हरित संश्लेषण पारंपरिक रासायनिक संश्लेषण की तुलना में अधिक फायदेमंद है। क्योंकि इसमें लागत कम आती है, प्रदूषण कम होता है और पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य सुरक्षा में सुधार होता है।

वह शुक्रवार को दिग्विजयनाथ पीजी कालेज एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'अनुसंधान के विभिन्न पहलु' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय आनलाइन अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। 'हरे रंग के संश्लेषित चांदी के नैनोकण और उनके अनुप्रयोग' पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नैनोकणों के हरित संश्लेषण ने हाल के वर्षों में महत्व प्राप्त किया है। ग्रीन सिंथेसिस नैनोमैटेरियल्स के निर्माण की एक स्वच्छ, सुरक्षित, लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रिया को नियोजित करता है। द्वितीय सत्र में डा.नेहा सिंह ने 'कोविड 19 और गर्भावस्था' विषय पर कहा कि गर्भावस्था के दौरान कोविड वाले लोगों में जटिलताओं का अनुभव होने की अधिक आशंका होती है। गर्भवती महिलाओं को कोविड के अनुबंध का अधिक जोखिम नहीं लगता है। हालांकि, यदि वो गर्भवती होने के दौरान कोरोना से संक्रमित हो जाती हैं, तो उन्हें गंभीर बीमारी होने का अधिक खतरा होता है। जरूरी है कि कोविड से बचाव के लिए सावधानी बरतें। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो.ओम प्रकाश सिंह ने आइक्यूएसी व साइंस टेक को साधुवाद दिया। स्वागत आइक्यूएसी समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह ने किया। संचालन डा.धर्मेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो. रवरी शुक्ला, डा.एसके सिंह, डा.केपी शुक्ल, डा. शैलेश सिंह समेत कुल 255 शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया।

गोवि में जूनियर रिसर्च फेलो पद पर आवेदन आमंत्रित

जासं, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी-एसइआरबी), नई दिल्ली प्रोजेक्ट के अंतर्गत जूनियर रिसर्च फेलो पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक की उपाधि 55 या अधिक प्रतिशतता के साथ उत्तीर्ण वे अभ्यर्थी जो रासायनिक संश्लेषण, कंडक्टिंग पालीमर्स, डाई सेंसिटाइज्ड सोलर सेल फेब्रिकेशन के क्षेत्र में शोध अभिरुचि रखते हो, वे आवेदन कर सकते हैं। उन्हें अपना आवेदन केमिस्ट्री की सहायक आचार्य डा. एकता सोनकर को भेजना होगा। आवेदन भेजने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट के नोटिस बोर्ड सेक्शन में जेआरएफ-एप्लीकेशन फार्म व संबंधित पूर्ण विवरण प्राप्त कर सकते हैं। अभ्यर्थियों का साक्षात्कार विभागाध्यक्ष प्रो. सुधा यादव की अध्यक्षता में लिया जाएगा। चयनित जूनियर रिसर्च फेलो को 35 हजार रुपये प्रति माह की शोधवृत्ति के साथ एचआरए आदि व्यय देय होंगे। परियोजना का कार्यकाल तीन वर्ष है।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

राष्ट्रीय फोकस टाइम्स हिन्दी दैनिक लखनऊ

10 अप्रैल 2023

आईसीएआईआर २०२३ का आयोजन संपन्न

दिग्विजय नाथ पोस्ट ग्रेजुएट ॉलेज गोरखपुर उत्तर प्रदेश खनऊ, यूपी एवं साइंस–टेक

स्टीटयूट संचालित मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी, लखनऊ ाज दिनांक 9 अप्रैल 2023, तीन देवसीय सम्मेलन ७ ऑनलाइन टरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस ंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च ICAIR&2023) संयुक्त रूप से ायोजन का समापन हुआ।

कार्यक्रम के समापन पर सर्वश्रेष्ठ ुवा शोधकर्ता, बेस्ट फैकल्टी, सर्वश्रेष्ठ ुवा वैज्ञानिक, बेस्ट यंग फैकल्टी, र्वश्रेष्ठ निदेशक, सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता एवं बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन और बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन से शिक्षक और शोध ाकर्ता को सम्मानित किया गया

संरक्षक एवं प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह , प्राचार्य दिग्विजय नाथ पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज गोरखपुर एवं श्रीमती श्वेता सिंह (अध्यक्ष, मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी, लखनऊ) इस तीन दिवसीय कार्यक्रम को सफल होने के लिए आयोजकों को बधाई दी ।

कार्यक्रम संयोजक डॉ परीक्षित सिंह दिग्विजय नाथ पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज गोरखपुर ने सभी प्रतिभागियों शोध प्रस्तुति के लिए बधाई दी

डॉ सुशील कुमार सिंह (साइंस टेक इंस्टीट्यूट ने प्रतिभाग किया लखनऊ) जी ने कहा की इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय 279 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया इस अवसर पर सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रोफ एस के शुक्ल, डॉ. दिलशाद अहमद अंसारी और डॉ. डी. के. यादव (राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, स्वास्थ्य मंत्रालय, नई दिल्ली), डॉ नेहा सिंह सीनियर साइंटिस्ट विरोलोजी लैब जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज रायपुर ये सभी लोग उपस्थित रहे।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित **'B++'** श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
📱 : 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

241

आज गोरखपुर 24 जून 2023

अनुसंधान प्राथमिक अध्ययनों का अवलोकन-डा.प्रणीता

गोरखपुर,२३ जून। दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ऑनलाइन सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन मुख्य वक्ता डॉ प्रणीता प्रधान, पीजीआई, चंडीगढ़ ने 'अनुसंधान में व्यवस्थित समीक्षा' विषय पर कहा की अनुसंधान प्राथमिक अध्ययनों का एक अवलोकन है जिसमें उद्देश्यों, सामग्रियों और विधियों का एक स्पष्ट विवरण शामिल है, और स्पष्ट और प्रतिलिपि प्रस्तुत करने योग्य पद्धति के अनुसार आयोजित किया गया है। व्यवस्थित समीक्षा, जैसा कि नाम से पता चलता है, आमतौर पर एक विस्तृत और व्यापक योजना और एक प्राथमिकता से प्राप्त खोज रणनीति शामिल होती है, जिसमें किसी विशेष विषय पर सभी प्रासंगिक अध्ययनों की पहचान, मूल्यांकन और संश्लेषण करके पूर्वाग्रह को कम करने का लक्ष्य होता है। डॉ प्रधान ने कहा की व्यवस्थित समीक्षा हमें यह जानने में मदद कर सकती है कि हम किसी विषय के बारे में क्या जानते हैं, और क्या अभी तक ज्ञात नहीं है, अक्सर एक अध्ययन के निष्कर्षों की तुलना में अधिक हद तक। सेटिंग्स और आबादी में शोध निष्कर्षों की स्थिरता और सामान्यता स्थापित करने के लिए यह प्रक्रिया काफी व्यापक है। एक व्यवस्थित समीक्षा की प्रमुख विशेषताएं हैं कार्यक्रम

❖ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकेल्टी डवलेपमेट प्रोग्राम

का संचालन आयोजन सचिव डॉ धर्मेंद्र यादव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ऐंड फैमिली वेल्फेयर अंडर द मिनिस्ट्री ऑफ फैमिली वेल्फेयर, नई दिल्ली ने, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह, ने अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर परीक्षित सिंह, कोऑर्डिनेटर, आईक्यूएसी ने सभी के प्रति आभार ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम को कार्यकमं अध्यक्ष श्वेता सिंह (चौयरमेन मनराज कुंवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी) लखनऊ, सह संयोजक डॉ सुशील कुमार सिंह, साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ, सह आयोजन सचिव डॉ राजीव रत्न सिंह, डॉ राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस लखनऊ, महाविद्यालय के शिक्षक,अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक सहित 289 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

212

फोकस टाइम्स लखनऊ

24 जून 2023 शनिवार 4

दग्विजय नाथ पीजी कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में ऑनलाइन प्रोग्राम का आयोजन हुआ

दिनांक रू 23-06-2023

आज दिनाँक 23 जून 2023 को दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान मे आयोजित ऑनलाइन सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन मुख्य वक्ता डॉ प्रणीता प्रधान . पीजीआई.चंडीगढ ने ध्अनुसंधान में व्यवस्थित समीक्षा॰ विषय पर बोलते हुए कहा की अनुसंधान प्राथमिक अध्ययनों का एक अवलोकन है जिसमें उद्देश्यों, सामग्रियों और विधियों का एक स्पष्ट विवरण शामिल है, और स्पष्ट और प्रतिलिपि प्रस्तुत करने योग्य पद्धति के अनुसार आयोजित किया गया है। व्यवस्थित समीक्षा, जैसा कि नाम से पता चलता है, आमतौर पर एक विस्तृत और व्यापक योजना और एक प्राथमिकता से प्राप्त खोज रणनीति शामिल होती है, जिसमें किसी विशेष विषय पर सभी प्रासंगिक अध्ययनों की पहचान, मूल्यांकन और संश्लेषण करके पूर्वाग्रह को कम करने का लक्ष्य होता है। व्यवस्थित समीक्षा उद्देश्यपूर्ण, स्पष्ट और पारदर्शी तरीकों का उपयोग करती है, जो पाठक को यह अनुसरण करने की अनुमति देती है कि निष्कर्ष कैसे पहुंचे । वे संकेत दे सकते हैं कि आगे के प्राथमिक शोध I की आवश्यकता उन क्षेत्रों में है जहां कोई सबूत मौजूद नहीं है या यदि वर्तमान सबूत अनिर्णायक हैं।

डॉ प्रधान ने आगे बोलते हुए कहा की व्यवस्थित समीक्षा हमें यह जानने में मदद कर सकती है कि हम किसी विषय के बारे में क्या जानते हैं, और क्या अभी तक ज्ञात नहीं है, अक्सर एक अध्ययन के निष्कर्षों की तुलना में अधिक हद तक। सेटिंग्स और आबादी में शोध निष्कर्षों की स्थिरता और सामान्यता स्थापित करने के लिए यह प्रक्रिया काफी व्यापक है। एक व्यवस्थित समीक्षा की प्रमुख विशेषताएं हैरू समावेशन और बहिष्करण मानदंड के साथ एक स्पष्ट रूप से परिभाषित प्रश्न,साहित्य की कठोर और व्यवस्थित खोजय शामिल अध्ययनों का महत्वपूर्ण मूल्यांकन, डेटा निष्कर्षण और प्रबंधन, परिणामों का विश्लेषण और व्याख्याय और प्रकाशन के लिए रिपोर्ट।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ धर्मेंद्र यादव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ऐंड फैमिली वेल्फेयर अंडर द मिनिस्ट्री ऑफ फैमिली वेल्फेयर, नई दिल्ली ने , महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह , ने अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर परीक्षित सिंह, कोऑर्डिनेटर, आईक्यूएसी ने सभी के प्रति आभार ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम की कार्यकर्म अध्यक्ष श्री मती श्वेता सिंह (चौयरमेन मनराज कुंवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी) लखनऊ . सह संयोजक डॉ सुशील कुमार सिंह,साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ, सह आयोजन सचिव डॉ राजीव रत्न सिंह . डॉ राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस लखनऊ, महाविद्यालय के शिक्षक,अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक सहित 289 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

उक्त जानकारी महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ शैलेश कुमार सिंह ने दी।

डॉ शैलेश कुमार सिंह
सूचना एवं मीडिया प्रभारी

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित **'B++'** श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

हिन्दुस्तान

गोरखपुर, शनिवार, 24 जून 2023 **06**

प्राथमिक अध्ययनों का एक अवलोकन है अनुसंधान

गोरखपुर। पीजीआई चंडीगढ़ की डॉ. प्रणीता प्रधान ने कहा कि कहा कि अनुसंधान प्राथमिक अध्ययनों का एक अवलोकन है। इसमें उद्देश्यों, सामग्रियों और विधियों का एक स्पष्ट विवरण शामिल है। वे दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ऑनलाइन सप्त दिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन 'अनुसंधान में व्यवस्थित समीक्षा' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रही थीं।

अमर उजाला

गोरखपुर | शनिवार, 24 जून 2023 **9**

'प्राथमिक अध्ययनों का अवलोकन है अनुसंधान'

गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिनों के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन मुख्य वक्ता पीजीआई, चंडीगढ़ की डॉ. प्रणीता प्रधान ने अनुसंधान में व्यवस्थित समीक्षा विषय पर बोलते हुए कहा की अनुसंधान प्राथमिक अध्ययनों का एक अवलोकन है। संवाद

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित **'B++'** श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

223

आज गोरखपुर 27 जून 2023

शोध विषय पर गुणवत्ता वाला साक्ष्य माना जाता है मेरा विश्लेषण

गोरखपुर,२६ जून। दिग्विजयनाथ पी.जी.कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ऑनलाइन सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के पांचवे दिन मुख्य वक्ता डॉ स्मिता अस्थानाएववरिष्ठ वैज्ञानिक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रेवेंशन एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट नोएडा ने विषय व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषणष् पर बोलते हुए कहा की व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण को किसी शोध विषय पर उच्चतम गुणवत्ता वाले साक्ष्य माना जाता है क्योंकि उनका अध्ययन डिजाइन पूर्वाग्रह को कम करता है और अधिक विश्वसनीय निष्कर्ष उत्पन्न करता है। हालाँकि, आप हमेशा अपने शोध प्रश्न का उत्तर देने के लिए उच्चतम स्तर के साक्ष्य ढूंढने में सक्षम नहीं हो सकते खोजने की आवश्यकता नहीं है।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ धर्मेंद्र यादव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ऐंड फैमिली वेल्फेयर अंडर द मिनिस्ट्री ऑफफैमिली वेल्फेयर, नई दिल्ली नेए कार्यक्रम के संयोजक प्रो परीक्षित सिंह, कोऑर्डिनेटर, आईक्यूएसी ने अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.ओम प्रकाश सिंह ने सभी के प्रति आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती श्वेता सिंह,चेयरमैन मनराज कुंवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी, लखनऊ, सह संयोजक डॉ सुशील कुमार सिंह,साईंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ, सह आयोजन सचिव डॉ राजीव रव सिंह, डॉ राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस लखनऊ, महाविद्यालय के शिक्षक डॉ प्रतिमा सिंह, डॉ मनीष श्रीवास्तव, डॉ कुलदीप पाण्डेय, डॉ शुभा श्रीवास्तव, डॉ सुभाष गुप्ता, डॉ सुभाष चंद्रा सहित महाविद्यालयों के अन्य विषयों के शिक्षक सहित 274 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। उक्त जानकारी महाविद्यालय के सूचना एवं मीडिया प्रभारी डॉ.शैलेश कुमार सिंह ने दी।

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

फोकस टाइम्स लखनऊ   28 जून 2023

नैतिक शिक्षा बालक के व्यवहार में परिवर्तन लाती है- प्रो डी एस हुड्डा

दिनांक 27.06.2023 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ऑनलाइन सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के छठवें दिन मुख्य वक्ता डॉ प्रो डी.एस. हुड्डा,पूर्व प्रति उपकुलपति,कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं अध्यक्ष,भारतीय गणित परिषद ने विषय "शिक्षा में शिक्षण का महत्व और नैतिकता" पर बोलते हुए कहा की शिक्षा एक प्रक्रिया है। शिक्षा के द्वारा बालक का बौद्धिक विकास होता है। यह बालक के सामाजिक विकास में उसकी सहायता करती है, किन्तु नैतिक शिक्षा बालक के व्यवहार में परिवर्तन लाती है। बालक के व्यवहार में यह परिवर्तन देश तथा समाज के लिए अति आवश्यक है। यदि नैतिक शिक्षा की अवहेलना की जाती है तो बालक का चारित्रिक विकास रुक जाता है। शिक्षा एक सामाजिक विकास की प्रक्रिया है। व्यक्ति एक सामाजिक प्राणी है तथा उसे समाज में ही अपना जीवन व्यतीत करना होता है अतः नैतिक शिक्षा के द्वारा बालक का सामाजिक विकास, संवेगात्मक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास सम्भव होता है तथा उसका दृष्टिकोण उदार होता है।

डॉ हुड्डा ने आगे बोलते हुए कहा की अध्यापक किस प्रकार का व्यवस्थापन करे कि शिक्षा शिक्षण प्रभावी बन सके, इस हेतु नैतिक शिक्षा के शिक्षण की आवश्यकता अनुभव की जाती है। अतः आज के भौतिकवादी एवं मशीनी युग में नैतिक मूल्यवान शिक्षा शिक्षण की महती परमावश्यकता है। नैतिक शिक्षा के शिक्षण में अध्यापक, अपनी भूमिका का व्यवहृत प्रयोग कर, छात्रों का मार्गदर्शन कर सकता है, छात्रों का दृष्टिकोण सन्तुलित जीवन के अनुकूल बना सकता है। यह सब नैतिक शिक्षा के शिक्षण के द्वारा ही सम्भव है।नैतिक शिक्षा बालक के व्यक्तित्व का सन्तुलित विकास करती है। नैतिक शिक्षा ही वह व्यावहारिक साधन है, जिससे जीवन के आदर्शों को प्राप्त किया जा सकता है। अतः स्पष्ट है कि बालक के विकास के लिए नैतिक शिक्षा अनिवार्य है। इसके अभाव में बालक एक योग्य नागरिक नहीं बन सकता। वह अपने उत्तरदायित्व को नहीं समझ सकता। वह देश की सेवा भी नहीं कर सकता, इस प्रकार वह अपने नैतिक जीवन यापन के लिए भी कुछ नहीं कर सकता है।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ धर्मेंद्र यादव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ऐंड फैमिली वेल्फेयर अंडर द मिनिस्ट्री ऑफ फैमिली वेल्फेयर, नई दिल्ली ने, कार्यक्रम के संयोजक प्रो परीक्षित सिंह, कोऑर्डिनेटर, आईक्यूएसी ने अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने सभी के प्रति आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती श्वेता सिंह ,चेयरमैन मनराज कुवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी, लखनऊ, सह संयोजक डॉ सुशील कुमार सिंह,साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ, सह आयोजन सचिव डॉ राजीव रत्न सिंह, डॉ राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस लखनऊ, महाविद्यालय के शिक्षक डॉ धर्म चंद विश्वकर्मा, डॉ आर.पी. यादव, डॉ इंद्रेश पाण्डेय, डॉ शुभा श्रीवास्तव, डॉ विवेकानंद शुक्ला, डॉ कुलदीप सहित महाविद्यालयों के अन्य विषयों के शिक्षक सहित 287 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

उक्त जानकारी महाविद्यालय के सूचना एवं मीडिया प्रभारी डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने दी।

डॉ शैलेश कुमार सिंह
सूचना एवं मीडिया प्रभारी

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

229

राष्ट्रीय फोकस टाइम्स लखनऊ

29 जून 2023

ऑनलाइन सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न

गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाव धान में आयोजित ऑनलाइन सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के सातवें दिन समापन सत्र में मुख्य वक्ता डॉ यूसुफ अख्तर,असिस्टेंट प्रोफेसर, बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग ,बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ ने "लेखन कौशल और शोध पत्र प्रकाशन" विषय पर बोलते हुए कहा की

वर्तमान ज्ञान के संदर्भ में शोध प्रश्न प्रस्तुत करने से लेकर आपके निष्कर्षों की व्याख्या करने तक, शोध लेखन का एक स्नैपशॉट दिया गया। दूसरे शब्दों में, सामान्य से विशिष्ट की ओर, फिर विशिष्ट से सामान्य की ओर बढ़ना। एक सावधान और इरादे वाला लेखक बनना महत्वपूर्ण है। यह लिखने के बारे में नहीं है, यह पठनीयता के बारे में है।शोधपत्र, शैक्षणिक प्रकाशन की एक विधि है। इसमें किसी शोध–पत्रिका (जर्नल) में लेख प्रकाशित किया जाता है या किसी संगोष्ठी में किसी विषय पर एक लेख पढ़ा जाता है। प्रायः शोधपत्रों का प्रकाशन कुछ विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा करने/जाँचने के बाद ही सम्भव हो पाता है।

अकादमिक लेखन की विशेषताओं में औपचारिक स्वर, प्रथम–व्यक्ति परिप्रेक्ष्य के बजाय तीसरे–व्यक्ति का उपयोग, जांच के तहत अनुसंधान समस्या पर स्पष्ट ध्यान और सटीक शब्द चयन शामिल हैं। डॉ यूसुफ ने आगे बोलते हुए कहा की शोध पत्र एक सामान्य या कौटिल दर्शकों के लिए एक उपन्यास खोज का प्रसार करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच है, जो प्रयोगों को दोहराने में रुचि रख सकते हैं। खोज आदि के लिए उपन्यास अनुप्रयोगों की पहचान करना, साथ ही साथ अपने शोध को दुनिया में लोकप्रिय बनाना और अध्ययन के दोहराव को रोकना। एक शोध पत्र प्रकाशित करने से शोधकर्ताओं के लिए कई फायदे हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं कैरियर में उन्नति, पेशेवर मान्यता, सहयोग के अवसर, दृश्यता में वृद्धि, समाज पर प्रभाव, विश्वसनीयता और विश्वास, पेशेवर विकास, भविष्य के शोध के लिए प्रेरणा और क्षेत्र में योगदान।

इस अवसर पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में तकनीकी सहयोग एवं बेहतरीन प्रेजेंटेशन हेतु महाविद्यालय के पांच शिक्षकों श्री इंद्रेश पाण्डेय, डॉ पवन पांडेय, श्री धर्म चंद विश्वकर्मा, श्री प्रदीप कुमार यादव, डॉ डॉ कुलदीप पाण्डेय को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो परीक्षित सिंह, कोऑर्डिनेटर, आईक्यूएसी ने अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के सफल आयोजन हेतु पूरी टीम को बधाई देते हुए सभी के प्रति आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ धर्मेंद्र यादव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ऐंड फैमिली वेल्फेयर अंडर द मिनिस्ट्री ऑफ फैमिली वेल्फेयर, नई दिल्ली ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती श्वेता सिंह ,चेयरमैन मनराज कुंवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी, लखनऊ, सह संयोजक डॉ सुशील कुमार सिंह,साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ, सह आयोजन सचिव डॉ राजीव रत्न सिंह, डॉ राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस लखनऊ, महाविद्यालय के शिक्षक डॉ आर पी यादव, डॉ प्रतिमा सिंह, डॉ दीपक साहनी, डॉ विवेकानंद , डॉ हरीशंकर गुप्ता सहित महाविद्यालय के अन्य विषयों के शिक्षक सहित 292 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। उक्त जानकारी महाविद्यालय के सूचना एवं मीडिया प्रभारी डॉ शैलेश कुमार सिंह ने दी।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित **'B++'** श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
📱 : 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

प्राचार्य
दिग्विजयनाथ पी०जी० कालेज
गोरखपुर